IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और भारतीय ज्ञान परंपरा - सतत और व्यापक मूल्यांकन प्रणाली के संदर्भ में

संतोष कुमार यादव

सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र)

डी. सी. एस. खंडेलवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मऊ

santoshlko79@gmail.com

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार पर बल दिया गया है। इस नीति में रचनात्मक (Formative) और सतत् , व्यापक मूल्यांकन को प्राथमिकता दी गई है। NCF 2005 के सुझाव के अनुरूप इस नीति में भी मूल्यांकन को केवल वार्षिक परीक्षा तक सीमित न रखकर निरंतर प्रक्रिया बनाने का सुझाव दिया गया है। 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आकलन किया जाएगा तथा स्व-मूल्यांकन, सहपाठी मूल्यांकन और शिक्षक मूल्यांकन को शामिल किया गया है। अवधारणात्मक स्पष्टता, तार्किक चिंतन और विश्लेषण क्षमता पर विशेष जोर दिया गया है। बोर्ड परीक्षाओं को लचीला और तनावमुक्त बनाने हेतु वर्ष में दो बार परीक्षा का प्रावधान किया गया है। PARAKH की स्थापना से मूल्यांकन के मानक तय किए जाएंगे। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु NAAC की भूमिका महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा की सतत् और व्यापक मूल्यांकन प्रणाली को आधुनिक रूप में पुनर्स्थापित करती है।

मुख्य शब्द : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय ज्ञान परम्परा, NCF – 2005, सतत, व्यापक, मूल्यांकन।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-31524